भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति

तारीखः 30 अक्टूबर, 2025

जारी करने का समय: 1330 घंटे

विषय: (i) पूर्व-मध्य अरब सागर पर दबाव बना हुआ है और पूर्वी विदर्भ और उससे सटे दक्षिण छत्तीसगढ़ पर एक सुस्पष्ट निम्न दबाव का क्षेत्र बना हुआ है।

(ii) उपरोक्त प्रणालियों के प्रभाव में, 31 अक्टूबर को बिहार में भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है, जबकि 31 अक्टूबर को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा हो सकती है।

पिछले 24 घंटों की वास्तविक मौसम स्थिति (आज 30 अक्टूबर, 2025 को सुबह 0830 बजे IST तक):

- तेलंगाना में कई स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा दर्ज की गई है, जबकि कुछ स्थानों पर असाधारण रूप से भारी वर्षा (≥30 सेमी) दर्ज की गई है।
- कोंकण और गोवा में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा (7-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- ओडिशा, झारखंड, बिहार, विदर्भ, मराठवाड़ा, तटीय आंध्र प्रदेश और तटीय कर्नाटक में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

वास्तविक मौसम के अधिक विवरण के लिए कृपया **अनुलग्नक I** देखें।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुलग्नक II और III देखें):

- तटीय आंध्र प्रदेश और उससे सटे तेलंगाना पर कल का गहरा अवदाब [गंभीर चक्रवाती तूफान "मोंथा" का अवशेष] उत्तर-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ गया और कल, 29 अक्टूबर 2025 को 1730 बजे IST पर दक्षिण छत्तीसगढ़ और उसके आसपास कमजोर होकर अवदाब में बदल गया। यह उत्तर-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ा और आज सुबह 0530 बजे IST पर पूर्वी विदर्भ और उससे सटे दक्षिण छत्तीसगढ़ पर एक सुपरिभाषित निम्न दबाव क्षेत्र में कमजोर हो गया और आज, 30 अक्टूबर 2025 को सुबह 0830 बजे IST पर उसी क्षेत्र में स्थित रहा। संबंधित चक्रवाती परिसंचरण औसत समुद्र तल से 7.6 किमी ऊपर तक फैला हुआ है। इसके लगभग उत्तर की ओर पूर्वी मध्य प्रदेश और उससे सटे उत्तरी छत्तीसगढ़ की ओर बढ़ने और अगले 24 घंटों के दौरान कम दबाव वाले क्षेत्र में कमजोर होने की संभावना है। कल पूर्व-मध्य अरब सागर पर बना अवदाब आज, 30 अक्टूबर 2025 को भारतीय समयानुसार 0830 बजे उसी क्षेत्र में लगभग स्थिर रहा, अक्षांश 17.9° उत्तर और देशांतर 68.2° पूर्व के पास, वेरावल (गुजरात) से लगभग 400 किमी दक्षिण-पश्चिम में, मुंबई (महाराष्ट्र) से 510 किमी पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम में और पंजिम (गोवा) से 660 किमी पश्चिम-उत्तर-पश्चिम में। अगले 36 घंटों के दौरान इसके पूर्व-मध्य अरब सागर में लगभग उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है।
- निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर दक्षिण हरियाणा और उससे सटे राजस्थान पर एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर दक्षिण-पूर्व असम और उसके आसपास के क्षेत्रों पर एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।

- मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों तक थाईलैंड की खाड़ी पर एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- 03 नवंबर 2025 से एक नया पश्चिमी विक्षोभ पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र को प्रभावित करने की संभावना है।

इन प्रणालियों के प्रभाव से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- 30 तारीख को तेलंगाना में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा, बिजली और तेज़ हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटे तक पहुँचने की गति) के साथ अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है; 30 अक्टूबर, 02 और 03 नवंबर को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में और 02 और 03 नवंबर को रायलसीमा में बिजली गिरने की संभावना है।
- 30 अक्टूबर को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में तेज़ सतही हवाएँ (30-40 किमी प्रति घंटे तक पहुँचने की गति) चलने की संभावना है।

पूर्वी और मध्य भारत:

- 30 अक्टूबर को पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़ में; 31 अक्टूबर और 1 नवंबर को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह; 30 अक्टूबर-1 नवंबर के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; 30 और 31 अक्टूबर को गंगीय पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड में कई/कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ भारी वर्षा की संभावना है; 31 अक्टूबर को बिहार में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा की संभावना है।
- 31 अक्टूबर को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) होने की संभावना है।
- 30 अक्टूबर को पूर्वी मध्य प्रदेश में बिजली और तेज़ हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटे तक की गति) के साथ छींटे पड़ने की संभावना है; अगले 2-3 दिनों के दौरान पूर्वी भारत; 30 और 31 अक्टूबर को विदर्भ और छत्तीसगढ़ में बिजली के साथ तूफान की संभावना है।

पश्चिमी भारत:

- 30 और 31 तारीख को कोंकण और गोवा में; 30 अक्टूबर को मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में और 30 अक्टूबर से 1 नवंबर के दौरान गुजरात राज्य में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ भारी वर्षा की संभावना है।
- अगले 4 दिनों के दौरान गुजरात राज्य में बिजली के साथ तूफान की संभावना; अगले 2 दिनों के दौरान महाराष्ट्र में।

उत्तर-पूर्वी भारत:

- 31 अक्टूबर और 01 नवंबर को अरुणाचल प्रदेश और असम एवं मेघालय में तथा 31 अक्टूबर को नागालैंड में कई/कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा/गरज के साथ भारी वर्षा की संभावना है।
- अगले 3 दिनों के दौरान इस क्षेत्र में गरज के साथ बारिश/गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है।

उत्तर-पश्चिमी भारत:

- 30 और 31 अक्टूबर को पूर्वी उत्तर प्रदेश में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा/गरज के साथ भारी वर्षा होने की संभावना है।
- पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव में, 3-5 नवंबर के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत में हल्की से मध्यम वर्षा/बर्फबारी होने की संभावना है।
- 30 अक्टूबर को पूर्वी उत्तर प्रदेश में बिजली और तेज़ हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटे की गति) के साथ गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है; 30 अक्टूबर को पश्चिमी उत्तर प्रदेश और पूर्वी राजस्थान में और 31 अक्टूबर को पूर्वी उत्तर प्रदेश में गरज के साथ छींटे पड़ने तथा बिजली गिरने की संभावना है।

बंगाल की खाड़ी, अंडमान तट, छत्तीसगढ़, पूर्वी मध्य प्रदेश, पूर्वी विदर्भ, तेलंगाना और ओडिशा के लिए चेतावनी

- **हवा की चेतावनी:** अगले 24 घंटों के दौरान छत्तीसगढ़, पूर्वी मध्य प्रदेश, पूर्वी विदर्भ, तेलंगाना के उत्तरी भागों और उससे सटे पश्चिमी ओडिशा में 25-25 किमी प्रति घंटे की गति से तेज़ और तूफानी हवाएँ चलने की संभावना है, जो 45 किमी प्रति घंटे तक पहुँच सकती हैं।

मछुआरों के लिए चेतावनी: मछुआरों को 1 से 4 नवंबर के दौरान निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाने की सलाह दी जाती है:

बंगाल की खाड़ी: 2 नवंबर को उत्तरी अंडमान सागर; 3 नवंबर को उत्तरी अंडमान सागर, पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी के पूर्वी भाग और उससे सटे उत्तर-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में न जाने की सलाह दी जाती है।

भारी बारिश (पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ, दक्षिण छत्तीसगढ़ और दक्षिण ओडिशा के आसपास के क्षेत्र) के कारण अपेक्षित प्रभाव और सुझाई गई कार्रवाई

- बाढ़ और हवाओं के कारण धान की फसलों, बागवानी और खड़ी फसलों और बागों को नुकसान।
- भारी बारिश के कारण दृश्यता में कभी-कभी कमी।
- जलभराव के कारण यातायात बाधित।

सुझाई गई कार्रवाई:

- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे बिगड़ते मौसम पर नज़र रखें और तदनुसार सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें। पेड़ों के नीचे शरण न लें, क्योंकि बिजली गिर सकती है।
- बिजली गिरने की आशंका होने पर, तुरंत बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के प्लग निकाल दें, जलाशयों से बाहर निकल जाएँ और बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें।

अरब सागर के क्षेत्रों, महाराष्ट्र और गुजरात के तटों के लिए चेतावनी

हवा की चेतावनी: 31 अक्टूबर तक पूर्व-मध्य अरब सागर के ऊपर सिस्टम केंद्र के आसपास 45-55 किमी प्रति घंटे की गति से 65 किमी प्रति घंटे की गति से तेज़ हवा चलने की संभावना है।

- 31 अक्टूबर तक उत्तर-पूर्व अरब सागर और महाराष्ट्र तथा गुजरात के तटों के साथ-साथ 40-50 किमी प्रति घंटे की गति से 60 किमी प्रति घंटे की गति से तेज़ हवा चलने की संभावना है।

समुद्र की स्थिति:

- 31 अक्टूबर तक पूर्व-मध्य और उत्तर-पूर्व अरब सागर और महाराष्ट्र तथा गुजरात के तटों के साथ-साथ समुद्र की स्थिति खराब से बहुत खराब रहने की संभावना है।
- उत्तर-पूर्व अरब सागर और महाराष्ट्र तथा गुजरात के तटों के साथ-साथ समुद्र की स्थिति खराब बनी हुई है और 30 अक्टूबर को खराब से बहुत खराब होने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी: 30 अक्टूबर को कर्नाटक और कोंकण गोवा तट के साथ-साथ; 31 अक्टूबर को उत्तरी कोंकण तट के साथ-साथ; 30 अक्टूबर से 2 नवंबर के दौरान गुजरात तट के साथ-साथ; पूर्व-मध्य अरब सागर; 30 अक्टूबर को आसपास के क्षेत्र, 31 अक्टूबर को पूर्व-मध्य अरब सागर के कई हिस्से, पूर्व-मध्य के कई हिस्से, उत्तर-पूर्व के अधिकांश हिस्से; 1 नवंबर को आसपास के क्षेत्र में न जाने की सलाह दी जाती है।

भारी बारिश और तेज़ हवाओं के कारण अपेक्षित प्रभाव और सुझाई गई कार्रवाई (उत्तरी कोंकण और गुजरात राज्य के तटीय जिले)

अपेक्षित प्रभाव:

- तेज़ और तूफानी हवा और भारी बारिश से बागानों, बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- तेज़ हवाओं और भारी बारिश के कारण कच्चे घरों/दीवारों, झोपड़ियों और सड़कों को मामूली नुकसान।
- भारी बारिश के कारण सड़क और रेल यातायात प्रभावित हो सकता है।
- निचले इलाकों में स्थानीय स्तर पर अचानक बाढ़, भूस्खलन, भूस्खलन, जलभराव, जलप्लावन और बाढ़ आ सकती है।
- भारी बारिश के कारण दृश्यता में कभी-कभी कमी आ सकती है।
- सतही और हेलीकॉप्टर सेवाओं को विनियमित किया जा सकता है।
- तेज़ हवा और भारी बारिश के कारण छोटे जहाज़ और देशी नावें प्रभावित होंगी।

सुझाई गई कार्रवाई:

- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे बिगड़ते मौसम पर नज़र रखें और तदनुसार सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।

- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें, क्योंकि बिजली गिर सकती है।
- बिजली गिरने की आशंका होने पर, तुरंत बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के प्लग निकाल दें, जलाशयों से बाहर निकल जाएँ और बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें।
- पर्यटन और मनोरंजक गतिविधियों को विनियमित किया जाएगा।
- सतही परिवहन और हेलीकॉप्टर सेवाओं को विनियमित किया जाएगा।

ii. 30 अक्टूबर से 02 नवंबर, 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक IV)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक I

पिछले 24 घंटों में आज, 30 अक्टूबर 2025 को सुबह 0830 बजे IST तक दर्ज की गई वर्षा (सेमी में) (≥ 7 सेमी):

- **तेलंगाना:** भीमाडेवरपल्ले (जिला हनुमाकोंडा) 39, पर्वतगिरि (जिला वारंगल) 38, धर्मसागर (जिला हनुमाकोंडा) 31, चिगुरुमामिडी (जिला करीमनगर) 31, हुजूराबाद (जिला करीमनगर) 29, जफरगढ़ (जिला जनगांव) 29, गुडुरवर्गल (जिला महबुबाबाद) 28, संगेम (जिला वारंगल) 28, हसनपर्थी (जिला हनुमाकोंडा) 25, चेन्नारावपेट (जिला वारंगल) 25, जनगांव (जिला जनगांव) 23, हनमकोंडा (जिला हनुमकोंडा) 23, पालकुर्थी (जिला जनगांव) 23, नरमेटा (जिला जनगांव) 22, नांगनूर (जिला सिद्दीपेट) 20, शंकरपट्टनम (जिला) करीमनगर) 20, करीमनगर (जिला करीमनगर) 20, थिम्मापुर (जिला करीमनगर) 19, आत्मकुर एम (जिला वाई. भुवनगिरि) 19, नरसंपेट (जिला वारंगल) 19, घनपुर (जिला जनगांव) 17, महबुबाबाद (जिला महबुबाबाद) 17, रघुनाथपल्ले (जिला जनगांव) 17, श्रीरामपुर (जिला) पेद्दापल्ले) 15, कुनाराम (एआरजी) (जिला पेद्दापल्ले) 15, आत्मकुरर्गल (जिला हनुमाकोंडा) 15, दोर्नाकल (जिला महबुबाबाद) 15, गरला (जिला महबुबाबाद) 15, कोडकंदला (जिला जनगांव) 15, बच्चनपेट (जिला जनगांव) 14, नूथनकल (जिला सूर्यापेट) 14, देवरुप्पल (जिला जंगांव) 14, कोनारोपेटा (जिला राजन्ना सिरसिला) 14, आर्मूर (जिला निज़ामाबाद) 14, बय्याराम (जिला महबुबाबाद) 14, नंदीपेट (जिला निज़ामाबाद) 14, पेद्दापल्ले (जिला पेद्दापल्ले) 13, बेज्जंकी (जिला सिद्दीपेट) 13, गंगाधरा (जिला करीमनगर) 12, चंदुरथी (जिला राजन्ना) सिरसिला) 12, शायमपेट (जिला हनुमाकोंडा) 12, चोप्पादंडी (जिला करीमनगर) 12, मुस्तबाद (जिला राजन्ना सिरसिला) 12, कोंडापाक (जिला सिद्दीपेट) 12, कम्मर पल्ले (जिला निज़ामाबाद) 11, एलांथुकुंटा (जिला राजन्ना सिरसिला) 11, जगदेवपुर (जिला सिद्दीपेट) 11, करीमनगर (ए) (जिला करीमनगर) 11, पेगडापल्ले (जिला जगतियाल) 11, जम्मीकुंटा (जिला करीमनगर) 11, जाजिरेड्डीगुडेम (जिला सूर्यापेट) 11, बोइनपल्ले (जिला राजन्ना सिरसिला) 11, वेलपुर (जिला निज़ामाबाद) 11, मुधोले (जिला निर्मल) 10, सुल्तानाबाद (जिला पेद्दापल्ले) 10, सिद्धपुर (ए) (जिला वारंगल) 10, खानापुर (जिला वारंगल) 10, नवीपेट (जिला निज़ामाबाद) 10, कथलापुर (जिला जगतियाल) 10, नल्लाबेल्ली (जिला वारंगल) 10, भीमगल (जिला निज़ामाबाद) 9, कटाराम (जिला जे. भूपालपल्ली) 9, बालकोंडा (जिला निज़ामाबाद) 9, मंथनी (जिला पेद्दापल्ले) 9, यदागिरिगुट्टा (जिला वाई. भुवनागिरि) 9, एलागैड (जिला पेद्दापल्ले) 9, परकल (जिला हनुमाकोंडा) 9, रेगोंडा (जिला जे. भुपालपल्ली) 9, मोरटाड (जिला निज़ामाबाद) 9, जक्रानपल्ले (जिला निज़ामाबाद) 9, सारंगपुर (जिला जगतियाल) 8, मोगुल्लापल्ले (जिला जे. भुपालपल्ली) 8, सिरसिल्ला (जिला) राजन्ना सिरसिला) 8, मेटपल्ले (जिला जगतियाल) 8, मोथे (जिला सूर्यापेट) 8, भुवनगिरि (जिला वाई. भुवनगिरि) 7, मल्लियाल (जिला जगतियाल) 7, कावेरी सिद्दीपेट (ए) (जिला सिद्दीपेट) 7, मुलुग (जिला मुलुगु) 7, कोठागुड़ा (जिला महबुबाबाद) 7, चित्याल (जिला जे. भूपालपल्ली) 7, बेलामपल्ली (जिला मंचेरियल) 7, जयपुर (जिला मंचेरियल) 7, भैंसा (एआरजी) (जिला निर्मल) 7, येल्लारेड्डीपेटा (जिला राजन्ना सिरसिला) 7, धर्मपुरी (जिला जगतियाल) 7, सिरिसिल्ला (ए) (जिला राजन्ना सिरसिला) 7, सूर्यापेट (जिला सूर्यापेट) 7, मक्लूर (जिला निज़ामाबाद) 7, सिरपुरु (जिला कुमारम भीम) 7;

- **कोंकण और गोवा:** मालवन (जिला सिंधुदुर्ग) 12, रत्नागिरी - इमद ऑब्सी (जिला रत्नागिरी) 12, रामेश्वर_कृषि (जिला सिंधुदुर्ग) 10, सावरदे-अर्ग (जिला रत्नागिरी) 9, गुहागढ़ (जिला रत्नागिरी) 8, जवाहर (जिला पालघर) 7, पंजिम - इमद ऑब्सी (जिला उत्तरी गोवा) 7;
- **तटीय आंध्र प्रदेश:** पोलावरम (जिला एलुरु) 9;
- **ओडिशा**: नवाना (जिला मयूरभंज) 9, एनएच5 गोबिंदपुर (जिला बालासोर) 9, बांकी (जिला कटक) 8, सुलियापाड़ा (जिला मयूरभंज) 7, भुबन (जिला ढेंकनाल) 7;
- **मराठावाड़ा**: मंथा (जिला जालना) 8;
- **विदर्भ**: मनोरा (जिला वाशिम) 8;
- **झारखंड**: सोनुआ (जिला पश्चिम सिंहभूम) 7;
- **बिहार**: इमामगंज (जिला गया) 7;
- **तटीय कर्नाटक:** उत्तर कन्नड़ 7.

अनुलग्नक II

Table-1

7 Days Rainfall Forecast

S.No.	Subdivision	30- Oct	31- Oct	1- Nov	2- Nov	3- Nov	4- Nov	5- Nov
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	SCT	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
3	ASSAM & MEHGHALAYA	SCT	WS	WS	FWS	SCT	ISOL	ISOL
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	WS	FWS	ISOL	ISOL	DRY	DRY
6	GANGETIC WEST BENGAL	WS	WS	SCT	ISOL	DRY	DRY	ISOL
7	ODISHA	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
8	JHARKHAND	WS	FWS	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
9	BIHAR	SCT	FWS	SCT	ISOL	DRY	DRY	DRY
10	EAST UTTAR PRADESH	WS	SCT	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
11	WEST UTTAR PRADESH	SCT	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
14	PUNJAB	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	DRY
18	EAST RAJASTHAN	FWS	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	ISOL	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
20	EAST MADHYA PRADESH	WS	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
21	GUJRAT REGION	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
22	SAURASHTRA & KUTCH	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
23	KONKAN & GOA	WS	WS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
24	MADHYA MAHARASHTRA	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
25	MARATHWADA	FWS	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	WS	FWS	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
27	CHHATTISGARH	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	SCT	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS	SCT
29	TELANGANA	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS	SCT
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT
32	COSTAL KARNATAKA	SCT	SCT	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
35	KERALA AND MAHE	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
36	LAKSHADWEEP	SCT	DRY	DRY	DRY	DRY	SCT	SCT

• जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।

अनुलग्नक III

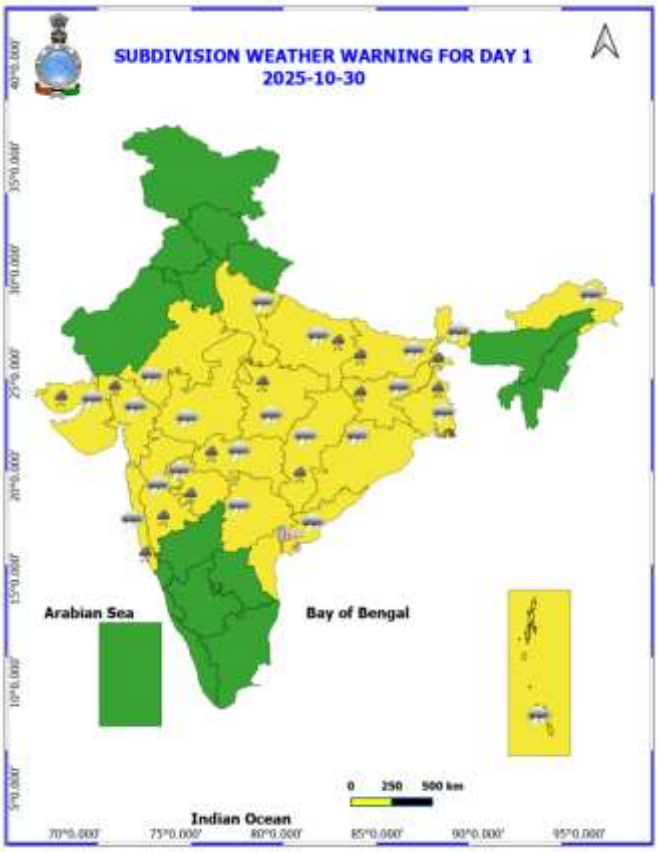
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-10-30
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

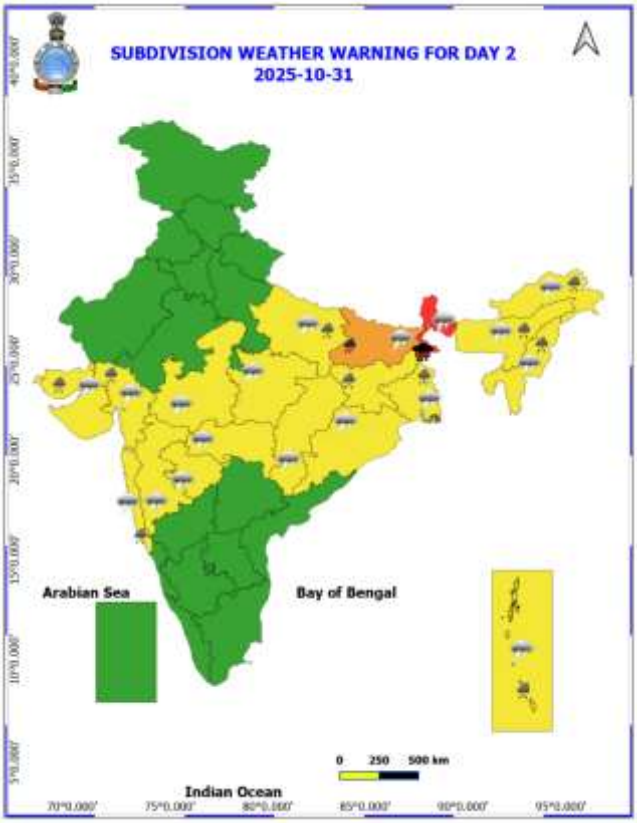
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-10-31
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

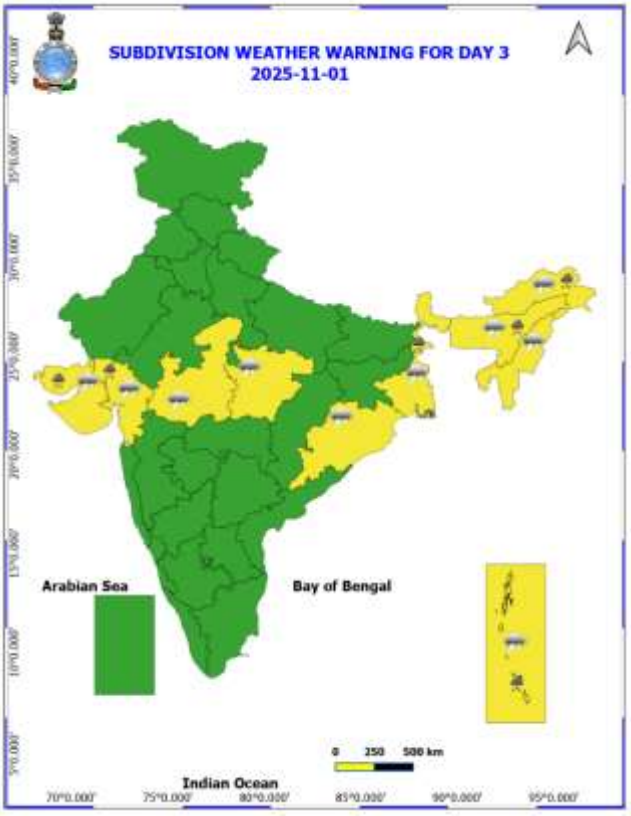
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-11-01
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

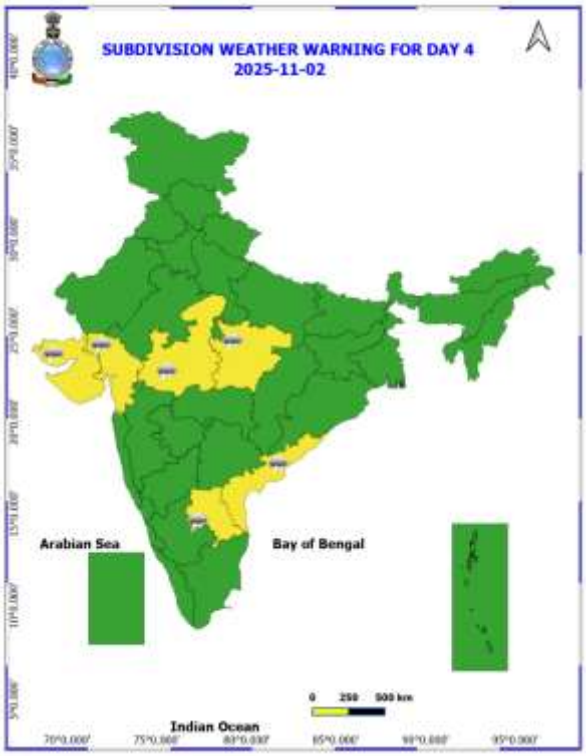

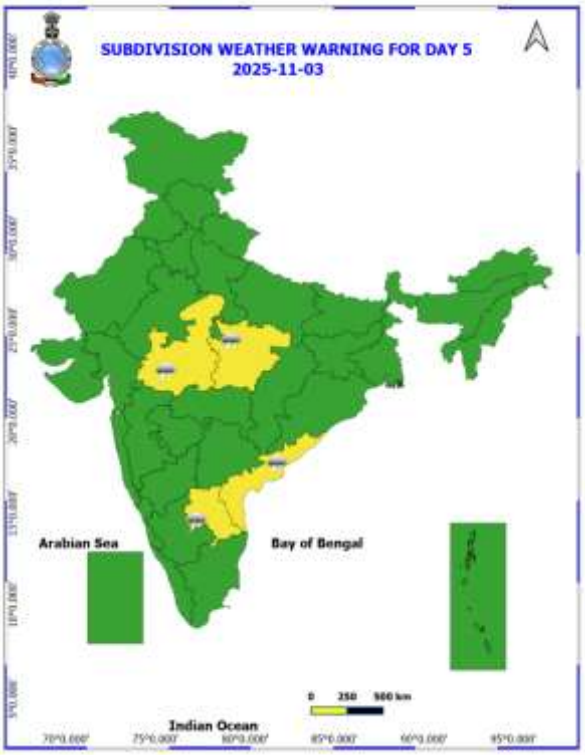

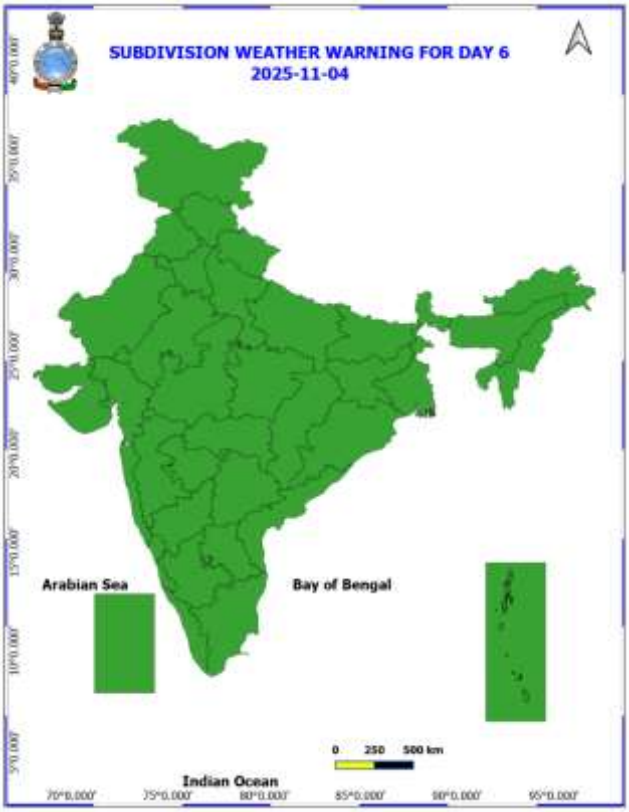

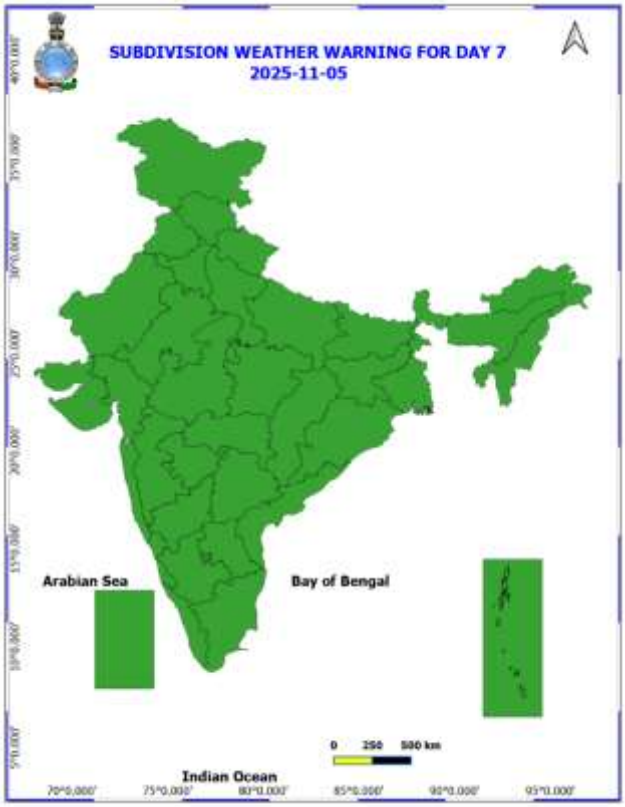

- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है
https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

30 अक्टूबर से 2 नवंबर 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम का पूर्वानुमान

पिछला मौसम: पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली/एनसीआर में न्यूनतम तापमान में 1-2 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस तक की वृद्धि हुई है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 28 से 29 डिग्री सेल्सियस और 18 से 20 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। न्यूनतम तापमान सामान्य से 2-4 डिग्री सेल्सियस तक अधिक और अधिकतम तापमान सामान्य से 2-3 डिग्री सेल्सियस तक कम रहा। सफदरजंग हवाई अड्डे पर हल्का कोहरा छाया रहा। सफदरजंग हवाई अड्डे पर 30 अक्टूबर 2025 को सुबह 6:30 बजे IST से सुबह 10:30 बजे IST तक सबसे कम दृश्यता 800 मीटर दर्ज की गई, जो उसके बाद सुधरकर सुबह 11:00 बजे IST 1000 मीटर हो गई। पाम हवाई अड्डे पर 0700 बजे IST से 0900 बजे IST तक न्यूनतम दृश्यता 1000 मीटर दर्ज की गई, जो उसके बाद 30.10.2025 को 0930 बजे 1100 मीटर हो गई। पिछले 24 घंटों के दौरान उत्तर-पश्चिम दिशा से प्रमुख सतही हवा के साथ आंशिक रूप से बादल छाए रहे, जो धीरे-धीरे बढ़कर 10 किमी प्रति घंटे तक पहुंच गई। आज पूर्वाह्न में इस क्षेत्र में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे, जो उत्तर-पूर्व दिशा से शांत हवा के साथ धीरे-धीरे बढ़कर 08 किमी प्रति घंटे तक पहुंच गई।

मौसम पूर्वानुमान:

30.10.2025: आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। कुछ स्थानों पर बहुत हल्की बारिश/बूंदाबांदी की संभावना है। अधिकतम तापमान 28 से 30 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। अधिकतम तापमान सामान्य से 1-3 डिग्री सेल्सियस तक कम रहेगा। दोपहर के समय प्रमुख सतही हवा उत्तर-पूर्व दिशा से चलेगी जिसकी गति 10 किमी प्रति घंटा तक होगी। शाम और रात के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा की गति बढ़कर 12 किमी प्रति घंटा हो जाएगी।

31.10.2025: सुबह के समय धुंध/हल्का कोहरा के साथ आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 29 से 31°C और 17 से 19°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1-2 डिग्री सेल्सियस तक अधिक और अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। प्रमुख सतही हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से चलेगी जिसकी गति शांत रहेगी और सुबह के समय धीरे-धीरे बढ़कर 5 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी। दोपहर में उत्तर-पूर्व दिशा से हवा की गति धीरे-धीरे बढ़कर 10 किमी प्रति घंटा हो जाएगी। शाम और रात के समय पूर्व दिशा से हवा की गति घटकर 5 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी।

01.11.2025: सुबह के समय धुंध/हल्का कोहरा छाए रहने के साथ आसमान मुख्यतः साफ रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 30 से 32°C और 17 से 19°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1-2oC तक अधिक और अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। सुबह के समय शांत हवा के साथ प्रमुख सतही हवा उत्तर-पूर्व दिशा से चलने की संभावना है जो धीरे-धीरे बढ़कर 05 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी। दोपहर में हवा की गति बढ़कर उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी। शाम और रात के दौरान हवा की गति कम होकर उत्तर-पश्चिम दिशा से 10 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

02.11.2025: सुबह के समय धुंध/धुंध के साथ आसमान मुख्यतः साफ रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 30 से 32°C और 16 से 18°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1-2 डिग्री सेल्सियस अधिक और अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। सुबह के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से आने वाली सतही हवाएँ धीरे-धीरे बढ़कर 5 किमी प्रति घंटे तक पहुँच जाएँगी। दोपहर में उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा की गति बढ़कर 15 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी। शाम और रात के समय पश्चिम दिशा से हवा की गति घटकर 5 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

अत्यधिक भारी और बहुत भारी बारिश के कारण अपेक्षित प्रभाव और सुझाव:

- 31 अक्टूबर को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) की संभावना है।
- 31 अक्टूबर को बिहार में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा (12-20 सेमी) की संभावना है।

अपेक्षित प्रभाव:

- उपरोक्त क्षेत्रों में सड़कों पर स्थानीय बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से शहरी क्षेत्रों में अंडरपास बंद होना।

- भारी बारिश के कारण कभी-कभी दृश्यता में कमी।
- प्रमुख शहरों में सड़कों पर जलभराव के कारण यातायात में व्यवधान, जिससे यात्रा समय में वृद्धि।
- कच्ची सड़कों को मामूली नुकसान।
- कमजोर संरचनाओं को नुकसान की संभावना।
- स्थानीय भूस्खलन/मिट्टी का खिसकना/भूस्खलन/मडस्लिप/लैंडसिंक/मडसिंक।
- जलमग्नता के कारण कुछ क्षेत्रों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
- यह बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में कुछ नदी घाटियों में नदी बाढ़ का कारण बन सकता है (नदी बाढ़ के लिए कृपया CWC की वेबसाइट देखें)।

सुझाव:

- अपने गंतव्य के लिए निकलने से पहले अपने मार्ग पर यातायात जाम की स्थिति की जांच करें।
- इस संबंध में जारी किसी भी यातायात सलाह का पालन करें।
- उन क्षेत्रों में जाने से बचें जहां अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- कमजोर संरचनाओं में रहने से बचें।

भारी / भारी से बहुत भारी / अत्यधिक भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **तेलंगाना** में, धान, कपास, अरहर, मूंग, मूंगफली, हल्दी और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त जल की निकासी करें। पहले से कटी हुई फसल को सुरक्षित स्थानों पर संग्रहित करें। खेतों में रखी हुई मक्का और सोयाबीन की पहले से कटी हुई फसल को तिरपाल से ढक दें या किसी सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करें।
- **आंध्र प्रदेश** में, धान, मक्का, गन्ना, अरहर, उड़द, मूंग, रागी, कपास, मूंगफली, हल्दी, अदरक एवं सब्जियों के खेतों तथा केले, आम, काजू, नारियल और सुपारी के बागानों से अतिरिक्त जल की निकासी करें। पहले से कटी हुई फसल को सुरक्षित स्थानों पर संग्रहित करें।
- **केरल** में, धान की परिपक्व फसल की तुरंत कटाई करें तथा उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।
- **ओडिशा** में, धान, उड़द, मूंग, अरहर, मक्का, मूंगफली, कपास, गन्ना और सब्ज़ियों के खेतों तथा फलों के बागानों से अतिरिक्त जल की निकासी करें। रबी फसलों (रबी दलहन, सब्ज़ियाँ आदि) की बुवाई / रोपण बारिश बंद होने तक स्थगित रखें।
- **पश्चिम बंगाल** में, धान, मूंगफली, दालों, अदरक और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु उचित व्यवस्था करें।
- **झारखंड** में, धान की परिपक्व फसल की कटाई केवल साफ मौसम के दौरान ही करें तथा कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर संग्रहित करें।
- **बिहार** में, धान और मक्का की परिपक्व फसलों की कटाई केवल साफ मौसम / वर्षा-रहित अवधि के दौरान ही करें और उपज को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें।
- **पूर्वी उत्तर प्रदेश** में, धान और सब्जियों की परिपक्व फसलों की कटाई केवल साफ मौसम / वर्षा-रहित अवधि के दौरान ही करें और उपज को सुरक्षित स्थानों पर संग्रहित करें।
- **गुजरात** में, धान, मूंगफली, सोयाबीन, उड़द, मूंग, तिल, मक्का, बाजरा और सब्जियों (टमाटर, बैंगन, मिर्च, भिंडी, खीरा आदि) की परिपक्व फसलों की कटाई केवल साफ मौसम के दौरान ही करें और उपज को सुरक्षित स्थानों पर संग्रहित करें। खड़ी फसलों के खेतों से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु उचित प्रावधान करें।
- **छत्तीसगढ़** में, धान, लघु अनाज, मक्का, उड़द, कुलथी, मूंगफली और अरहर की परिपक्व फसलों की कटाई केवल साफ मौसम के दौरान ही करें तथा कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें। खड़ी फसलों के खेतों से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु उचित व्यवस्था करें।
- **मध्य प्रदेश** में, धान, मक्का और सोयाबीन की परिपक्व फसलों की कटाई केवल साफ मौसम के दौरान ही करें और उपज को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें।

- **कोंकण** में, धान और रागी की कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें। **मध्य महाराष्ट्र** में, धान, सोयाबीन, मक्का, मूंगफली और बाजरा की कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर संग्रहित करें। **मराठवाड़ा** में, कपास की कटाई केवल साफ मौसम / वर्षा-रहित अवधि के दौरान ही जारी रखें तथा कपास और सोयाबीन की कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें। **विदर्भ** में, कपास की कटाई केवल साफ मौसम / वर्षा-रहित अवधि के दौरान ही जारी रखें और धान, सोयाबीन और कपास की पहले से कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें; यदि भंडारण संभव न हो तो उपज को प्लास्टिक या तिरपाल शीट से ढक दें। **पूर्वी विदर्भ** में, भारी वर्षा के दौरान परिपक्व धान की कटाई स्थगित रखें।

पशुपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।
- कटी हुई फसलों को अच्छी तरह से बांधें और ढककर रखें ताकि तेज हवा के कारण विस्थापन का खतरा कम हो।

- **किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:**
  - **भारी वर्षा:** 64.5-115.5 मिमी; **बहुत भारी वर्षा:** 115.6-204.4 मिमी; **अत्यधिक भारी वर्षा:** >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आतंरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आतंरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

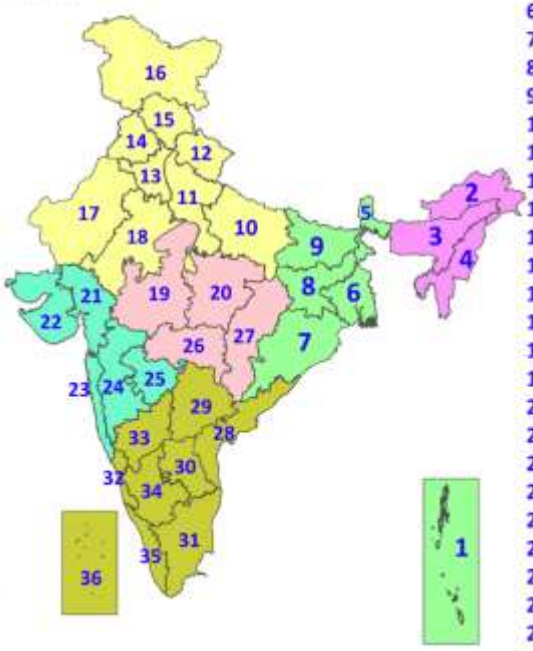

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds
Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds
Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)